One couse has aleady been given provisional recognition. Efforts are being made to get other courses also recognised by appropriate authorities by improving the existing training arrangements wherever necessary. In view of this and in order to enable the Institute to achieve its various objectives as laid down in its Memorandum of Association, continued financial assistance to the Institute is considered essential.

एक बेरोजगार आदिवासी दम्पत्ति द्वारा अपने बच्चों का बेचा जाना

8071. **श्री हुकमचन्द कछवाय :** क्या गृह मंत्री 4 दिसम्बर 1972 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2802 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को एक बेरोजगार आदिवासी दम्पत्ति द्वारा अपने दो बच्चों को 110 रुपये में बेचने के सम्बन्ध में इस बीच आन्ध्र प्रदेश सरकार से सूचना रिपोर्ट मिल गई है और यदि हां, तो तत्सम्बन्धी तथ्य क्या है , और

(ख) यदि नहीं, तो सूचना एकत्र करने में विलम्ब के क्या कारण है ?

गृह मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री एफ० एच० मोहसिन) (क) : आन्ध्रप्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि गांव नचराम निवासी कोया जनजाति के 65 वर्षीय श्री पैराम सुरैयाह तथा 40 वर्षीय उसकी पत्नी श्रीमती नगम्मा भीख मांग कर अपनी जीविका चलाते थे । उन्हें शारीरिक सृष्टि से कोई काम करने में अयोग्य बताया गया था । 1972 में किसी समय उन्होंने कोयागुडेम निवासी श्री कोल्ली कनकिया को अपना $1\frac{1}{2}$ माह का लडका गोद दिया था । लगभग इसी समय कोया जाति की अन्य 35 वर्षीय श्रीमती फासम मनम्मा नामक महिला ने जो श्री गुनैया की पत्नी है और बताया जाता है कि वह भी भीख मांग कर जीवन निर्वाह करती थी, कोयागुडेम के श्री लक्ष्मी नरसम्मा एक सब्जी विक्रेता को अपना 6 मास का लडका गोद दिया था । ये दोनों बालक गोयागुडेम के सन्तानहीन मा-बाप को गोद दिये गये थे तथा इन कोया परिवारो को वे परिवार जानते थे जिन्होंने उनके बच्चे गोद लिए थे । अत यह कहना ठीक नहीं है कि उन्होंने भुखमरी के कारण अपने बच्चों को बेचा था ।

(ख) प्रश्न नही उठता ।

the total educational programme.

8072. **SHRI M. M. JOSEPH:**
SHRI ANADI CHARAN DAS:

Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether any Institute for Scientific Translations was suggested in the symposium organised by the Indian Scientnfic Translation Association, New Delhi on 24th March, 1973;

(b) if so, the reaction of the Government to this suggestion; and

(c) other discussions held and decisions arrived at in the symposium?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND SCIENCE AND TECHNOLOGY (SHRI C. SUBRAMANIAM): (a) Yes, Sir. The Indian Scientific Translators Associations have suggested the setting up of a National Institute of Scientific and Technical Translation to draw up and coordinate a comprehensive programme of Scientific and Technical Translations for the country to undertake translation of scientific and technical literature from foreign languages into English and Indian languages, to compiled and publish bilingual and multi-lingual scientific and technical dictionaries, to translate and publish university level text books from foreign languages into Indian languages, etc.